



# कृषि मौसम परामर्श सेवा बुलेटिन

मौसम केंद्र भोपाल

भारत मौसम विज्ञान विभाग



बुलेटिन नंबर- ५५/२०२५  
जारी दिनांक मंगलवार, ११.०७.२०२५  
वैधता- १२ जुलाई २०२५ से १६ जुलाई २०२५  
अगला अपडेट: १५.०७.२०२५

मौसम केंद्र भोपाल,  
भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी  
जेएनकेवीवी, जबलपुर एवं आरवीएसकेवीवी, ग्वालियर और  
किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, भोपाल, म.प्र.  
के सहयोग से।



## भाग अ

### मौसम संबंधी चेतावनियाँ (मौसम-उपविभाग स्तर)

#### 11 जुलाई 2025

पश्चिम मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा के साथ गरज-चमक / तेज हवा की चेतावनी। पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा के साथ गरज-चमक की चेतावनी।

#### 12 जुलाई 2025

पश्चिम मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा के साथ गरज-चमक / तेज हवा की चेतावनी। पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा के साथ गरज-चमक की चेतावनी।

#### 13 जुलाई 2025

मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा के साथ गरज-चमक की चेतावनी।

#### 14 जुलाई 2025

पश्चिम मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा के साथ गरज-चमक की चेतावनी। पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी वर्षा के साथ गरज-चमक की चेतावनी।

#### 15 जुलाई 2025

मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी वर्षा के साथ गरज-चमक की चेतावनी।

### मौसम-उपविभाग स्तर पर विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (16 जुलाई से 22 जुलाई 2025)

मौसमीय उप-विभाग	वर्षा	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
पश्चिम मध्य प्रदेश	सामान्य	सामान्य	सामान्य
पूर्व मध्य प्रदेश	सामान्य	सामान्य	सामान्य

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य)

- निचले इलाकों और शहरी सड़कों पर जलभराव की संभावना।
- दृश्यता में कमी, गीली/फिसलन भरी सड़कों पर दुर्घटनाओं की आशंका।
- बिजली गिरने या टूटे हुए बिजली के तारों के कारण करंट लगने या आग लगने का खतरा।
- संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) की संभावना।
- सड़क और रेल परिवहन में व्यवधान की आशंका।

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य)

- तेज़ बारिश या बिजली गिरने की स्थिति में यात्रा करने से बचें।
- घर के अंदर रहें; पेड़ों या बिजली के खंभों के नीचे शरण न लें।
- बिजली गिरने के समय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद और अनप्लग करें।
- आपातकालीन किट, पानी और मोबाइल फोन तैयार रखें।
- बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग बाहर निकलने से बचें।

### कृषि पर मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव

- सोयाबीन, मक्का (बुवाई/अंकुरण चरण): जलभराव के कारण बीज बह जाने या सड़ने की संभावना, उभरते पौधों का गिरना (लॉजिंग)।
- सब्जियाँ (जैसे टमाटर, बैंगन, कद्दू वर्गीय फसलें): तेज हवा के कारण तनों का टूटना व पौधों का उखड़ना, फलों का गिरना या क्षति।
- धान की नर्सरी: पानी में डूबने की आशंका, रोगों (ब्लास्ट, शीथ ब्लाइट) का खतरा बढ़ना, ढलानदार क्षेत्रों में मिट्टी कटाव व पोषक तत्वों का नुकसान।
- पशु: गीली या कीचड़भरी स्थिति में खड़े रहने से श्वसन संक्रमण और पांव से संबंधित रोगों का खतरा बढ़ता है।

### कृषि मौसम सलाह

- जब तक मौसम सामान्य न हो जाए, तब तक बुवाई या कीटनाशक छिड़काव स्थगित करें।
- खेतों में उचित निकासी सुनिश्चित करें; नालियों, मेंडों और पानी निकासी मार्गों की सफाई करें।
- यदि पानी बहने का जोखिम अधिक हो तो धान की नर्सरी को पॉलीथीन या शेड नेट से ढक दें।
- बीज, उर्वरक और कृषि उपकरणों को ऊँचे और जलरोधक स्थानों पर सुरक्षित रखें।
- सब्जी फसलों को सहारा देने के लिए बांस, डंडी या जाल का प्रयोग करें।
- जलभराव वाले खेतों में मशीनों का उपयोग न करें।
- पशुओं में पांव गलन (फुट रॉट) और श्वसन संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यकतानुसार टीकाकरण या उपचार कराएं।
- पशुओं को घर के अंदर या मजबूत शेड में रखें।
- तेज हवा या बिजली गिरने के दौरान पशुओं को चरने के लिए बाहर न ले जाएं।

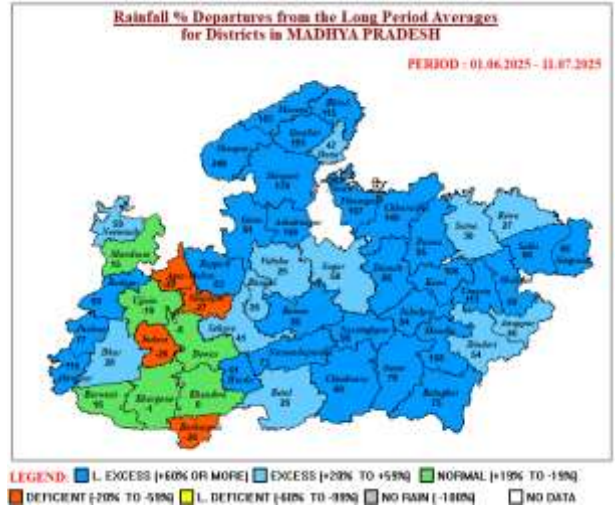
## भाग ब

### राज्य में वर्षा का सारांश (08 - 10 जुलाई 2025):

मौसमीय उप-विभाग	08-07-2025	09-07-2025	10-07-2025
पश्चिम मध्य प्रदेश	अनेक स्थानों	कुछ स्थानों	कुछ स्थानों
पूर्व मध्य प्रदेश	अधिकांश स्थानों	अनेक स्थानों	अधिकांश स्थानों

### पूर्व मौसम सारांश – 08.07.2025 से 10.07.2025

8 से 10 जुलाई 2025 के दौरान, गंगीय पश्चिम बंगाल एवं आसपास के क्षेत्र में स्थित दाबहीन क्षेत्र धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा की ओर बढ़ते हुए झारखंड को पार कर दक्षिण झारखंड और आसपास के क्षेत्रों तक पहुँच गया। इससे संबंधित चक्रवातीय परिसंचरण प्रारंभ में 7.6 किमी की ऊँचाई तक फैला था, जो 10 जुलाई तक घटकर 5.8 किमी रह गया। दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी द्रोणी, जो 8 जुलाई को भटिंडा से पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी तक विस्तारित थी, वह क्रमशः दक्षिण की ओर खिसकते हुए 9 जुलाई को अमृतसर और चंडीगढ़ तथा 10 जुलाई को सूरतगढ़ और भिवानी होते हुए दिया से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक पहुँची। दक्षिण गुजरात और आसपास के क्षेत्र में स्थित एक पर्वतीय चक्रवातीय य परिसंचरण इन दिनों बना रहा। इसके साथ-साथ, मध्यम क्षोभमंडलीय स्तर (mid-tropospheric level: 4.5–7.6 किमी) पर एक द्रोणिका (trough) उत्तर-पूर्वी अरब सागर से गंगीय पश्चिम बंगाल तक फैली रही, जो दक्षिण गुजरात, महाराष्ट्र, और छत्तीसगढ़ होते हुए आगे बढ़ी। इसके अतिरिक्त, 9 जुलाई को पश्चिम असम से तेलंगाना तक फैली एक अन्य द्रोणिका 10 जुलाई को विदर्भ तक खिसक गई। वहीं, 10 जुलाई को सौराष्ट्र और आसपास के क्षेत्र में 3.1 किमी ऊँचाई पर एक नया ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवातीय य परिसंचरण विकसित हुआ।



- **उच्चतम अधिकतम तापमान:** 36.4 डिग्री सेल्सियस 8 जुलाई को छतरपुर में दर्ज किया गया।
- **न्यूनतम न्यूनतम तापमान:** 18.0 डिग्री सेल्सियस खंडवा में 8 और 10 जुलाई को एवं खरगोन में 9 जुलाई को दर्ज किया गया।
- **न्यूनतम आर्द्रता:** 9 जुलाई को खंडवा में 51% दर्ज की गई।
- **उच्चतम आर्द्रता:** 8 जुलाई को मलाजखण्ड में 100% दर्ज की गई।

### अगले 5 दिनों के लिए वर्षा का पूर्वानुमान

मौसमीय उप-विभाग	11-07-2025	12-07-2025	13-07-2025	14-07-2025	15-07-2025
पश्चिम मध्य प्रदेश	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों
पूर्व मध्य प्रदेश	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों
कहीं- कहीं	1 या 2 स्थानों पर वर्षा	कुछ स्थानों	कुछ स्थानों पर वर्षा		
अनेक स्थानों	अनेक स्थानों पर वर्षा				
अधिकांश स्थानों	अधिकांश स्थानों पर वर्षा	शुष्क	कोई वर्षा नहीं		

### सिनोटिक मौसमी परिस्थितियां

- दक्षिण झारखंड और आसपास के क्षेत्र पर बना **चक्रवाती परिसंचरण** अब उत्तर छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्र पर स्थित है और यह समुद्र तल से 5.8 किमी ऊँचाई तक विस्तारित है।
- **मानसून द्रोणिका (ट्रफ)** समुद्र तल पर अब बीकानेर, देवमाली, हमीरपुर, डाल्टनगंज, जमशेदपुर, दीघा होते हुए दक्षिण-पूर्व दिशा में उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है।
- एक **द्रोणिका** दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश से उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक उत्तर छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्र, उत्तर ओडिशा के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण के पार 0.9 से 1.5 किमी की ऊँचाई के बीच फैली हुई है।
- पूर्वोत्तर अरब सागर से दक्षिण झारखंड और आसपास के क्षेत्र पर स्थित **चक्रवाती परिसंचरण** तक बनी द्रोणिका अब पूर्वोत्तर अरब सागर से उत्तर छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्र तक दक्षिण गुजरात क्षेत्र, उत्तर मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण मध्य प्रदेश के ऊपर से होते हुए समुद्र तल से 5.8 किमी की ऊँचाई तक फैली हुई है।
- **पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance)** मध्य और ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक द्रोणिका के रूप में वर्तमान में लगभग 75° पूर्व देशांतर के साथ 32° उत्तरी अक्षांश के उत्तर में समुद्र तल से 5.8 किमी की ऊँचाई पर स्थित है।
- दक्षिण-पूर्व राजस्थान से उत्तर ओडिशा तक उत्तर मध्य प्रदेश और उत्तर छत्तीसगढ़, झारखंड और आसपास के क्षेत्र पर स्थित **चक्रवाती परिसंचरण** के पार बनी द्रोणिका जो समुद्र तल से 3.1 किमी की ऊँचाई तक फैली थी, अब कम प्रभावशाली हो गई है।

### अगले 5 दिनों के लिए सामान्य पूर्वानुमान

कोई विशेष परिवर्तन नहीं।

# भाग स

मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग, एएमएफयू और डीएमयू से एकत्रित फसल अवस्थाएं

District	Arhar	Cotton	Maize	Paddy	Soyabean	Gram	Millets
<b>AMFU CHINDWARA</b>							
Chindwara		S	S		VG		
Betul		S	S		VG		
Pandhurna		S	S		VG		
<b>AMFU INDORE</b>							
Agar-Malwa					S		S
Dewas					S		S
Indore					S		S
Mandsaur					S		S
Neemuch					S		S
Rajgarh					S		S
Ratlam					S		S
Shajapur					S		S
Ujjain					S		S
<b>AMFU JABALPUR</b>							
Anuppur			H	Tr	S	H	
Balaghat			H	Tr	S	H	
Dindori			H	Tr	S	H	
Jabalpur			H	Tr	S	H	
Katni			H	Tr	S	H	
Mandla			H	Tr	S	H	
Panna			H	Tr	S	H	
Rewa			H	Tr	S	H	
Satna			H	Tr	S	H	
Seoni			H	Tr	S	H	
Shahdol			H	Tr	S	H	
Sidhi			H	Tr	S	H	
Singrauli			H	Tr	S	H	
Umaria			H	Tr	S	H	
Maihar			H	Tr	S	H	
Mauganj			H	Tr	S	H	
<b>AMFU JHABUA</b>							
Alirajpur		S	S		S	S	
Dhar		S	S		S	S	
Jhabua		S	S		S	S	
<b>AMFU KHARGONE</b>							
Barwani	S	VG			S		
Burhanpur	S	VG			S		
Harda	S	VG			S		
Khandwa	S	VG			S		
Khargone	S	VG			S		
<b>AMFU MORENA</b>							
Ashoknagar	S			N	S		S
Bhind	S			N	S		S
Guna	S			N	S		S
Gwalior	S			N	S		S
Morena	S			N	S		S
Sheopur	S			N	S		S
Shivpuri	S			N	S		S
<b>AMFU POWARKHEDA</b>							
Narsinghpur			PS	N	PS		
Narmadapuram			PS	N	PS		



<b>AMFU SEHORE</b>							
Damoh	P		P	P	P		
Sagar	P		P	P	P		
Bhopal	P		P	P	P		
Raisen	P		P	P	P		
Sehore	P		P	P	P		
Vidisha	P		P	P	P		
<b>AMFU TIKAMGARH</b>							
Chhatarpur			SD				
Niwari			SD				
Tikamgarh			SD				
Datia			SD				

**Legends- M : Mature, SD: Seedlings, S : Sowing, PS: Pre Sowing, N: Nursery, P: Preparation, E : Elongation, VG: Vegetative Growth, GS- Growth Stage, H : Harvesting, FP : Field Preparation, PD : Pod Development, B: Branching, T:Tillering, Tr- Transplanting, G : Germination F : Fruiting, R : Ripening, DTS: Drying and Threshing Stage, EF : Ear Formation FL: Flowering**

**सतपुड़ा पठारकृषि जलवायु क्षेत्र: एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, छिंदवाड़ा (बैतूल, पांडुरा और छिंदवाड़ा)**

**सोयाबीन (उगने से प्रथम त्रिपत्र अवस्था तक):**

- खेत में जलजमाव से बचाव हेतु उचित निकासी की व्यवस्था करें।
- खरपतवार नियंत्रण के लिए डोरा/कुल्फा से निराई, हाथ से खरपतवार हटाना या Imazethapyr 10% SL @ 250-300 मिली/एकड़ का छिड़काव बोवाई के 20-25 दिन बाद करें।
- पत्तियाँ खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु Chlorantraniliprole 18.5 SC @ 150 मिली/हेक्टेयर का छिड़काव करें, जिससे 25-30 दिनों तक फसल सुरक्षित रहे।

**मक्का (वीनिंग / 4-5 पत्ती अवस्था):**

- जलजमाव से बचने हेतु निकासी की व्यवस्था करें।
- खरपतवार नियंत्रण हेतु Tembotrione या Topramezone का छिड़काव बोवाई के 18-21 दिन बाद करें।
- पक्षियों से बचाव के लिए टी-आकार की खूँटी @ 100 प्रति एकड़ लगाएं।

**कपास (बीज अंकुरण अवस्था):**

- जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और खेत की स्थिति अनुसार इंटरकल्चरल कार्य करें।
- उर्वरक 25% नाइट्रोजन, 50% फास्फोरस, 50% पोटाश दें।
- जैसिड (लीफहॉपर) नियंत्रण हेतु Flonicamid 50 WG @ 80 ग्राम/एकड़ या Dinotefuran 20% SG @ 60 ग्राम/एकड़ का छिड़काव करें।
- चूसक कीटों से सुरक्षा हेतु Verticillium lecanii @ 50 ग्राम/10 लीटर पानी का छिड़काव करें।

**गन्ना (किलिंग अवस्था):**

- पायरीला कीट प्रकोप से बचने के लिए जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- 90, 120, 150 दिन पर यूरिया की शेष मात्रा दें।
- तना छेदक और पायरीला के प्रकोप पर Phorate 10G @ 15 किग्रा/हेक्टेयर का प्रयोग करें और मिट्टी चढ़ाएं।
- शीर्ष छेदक कीट नियंत्रण हेतु Cartap Hydrochloride 50% SP @ 300-400 ग्राम/एकड़ या Cartap Hydrochloride 4% GR @ 8-10 किग्रा/हेक्टेयर का प्रयोग करें।

**फूलगोभी, टमाटर, मिर्च, बैंगन (नर्सरी रोपाई):**

- इन फसलों की नर्सरी की रोपाई Captan से जड़ उपचार के बाद करें।
- खीरा वर्गीय सब्जियाँ व बीन्स आदि की बुवाई करें।
- मृदा परीक्षण के अनुसार उर्वरक का प्रयोग करें।

**फलों के पौधे (रोपण):**

- वर्तमान मौसम आम, पपीता, अमरूद आदि बागवानी फसलों के रोपण के लिए अनुकूल है।
- पौधों को सिफारिश अनुसार दूरी, उर्वरक व गोबर खाद के साथ गड्ढों में लगाएं।

**पशुपालन (सामान्य देखभाल):**

- पशुओं को छायायुक्त स्थान पर रखें और दैनिक दो बार स्वच्छ पानी पिलाएं।
- एफएमडी व एचएस रोगों से बचाव हेतु टीकाकरण कराएं।
- बाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु ब्यूटॉक्स या क्लीनर @ 2 मि.ली./लीटर पानी से पूरे शरीर पर दवा लगाएं और दवा देते समय मुंह पर नकब बांधें।
- पशुओं को 50-60 ग्राम नमक पानी में मिलाकर दें, यह विकास और प्रजनन में सहायक है।
- मच्छर और कीटों से बचाव हेतु पशु शेड में धुआं करें।

**मध्य नर्मदाकृषि जलवायु क्षेत्र: एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, पोवारखेड़ा (नरसिंहपुर, होशंगाबाद)**

**गन्ना (वनस्पतिक वृद्धि अवस्था):**

- जलभराव से बचने के लिए खेत में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- किसी भी प्रकार की कीटनाशक या रासायनिक दवा का छिड़काव न करें।

**धान (नर्सरी अवस्था):** नर्सरी की स्थिति की नियमित निगरानी करें और उचित रख-रखाव करें।

**सोयाबीन (पूर्व-बुवाई अवस्था):**

- बुवाई केवल तब करें जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।
- अनुशंसित किस्में: **JS 93-05, JS 95-60, JS 97-05, JS 21-72, JS 22-12, JS 22-16, JS 23-03, JS 20-34, JS 23-09।**
- बीज को बुवाई से पहले **थायरम या कार्बेन्डाजिम @ 3 ग्राम/किग्रा बीज** से उपचारित करें।

**मक्का (पूर्व-बुवाई अवस्था):**

- बुवाई तभी करें जब खेत में पर्याप्त मिट्टी नमी हो।
- अनुशंसित किस्में: **जवाहर मक्का 218, 215** या अन्य उन्नत संकर किस्में।
- बीज उपचार: **कार्बेन्डाजिम @ 2 ग्राम/किग्रा, थायरम @ 4 ग्राम/किग्रा, या मेटालेक्सिल @ 3 ग्राम/किग्रा।**

**बैंगन एवं मिर्च (नर्सरी अवस्था):**

- नर्सरी की नियमित देखरेख करें।
- जलभराव से बचाने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था बनाएं।

**भिंडी (बुवाई अवस्था):** खेत में अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए उचित नालियां बनाएं।

**पशुपालन सलाह**

**गर्ध:**

- प्रतिदिन **50 ग्राम आयोडीन युक्त नमक** और **50-100 ग्राम खनिज मिश्रण** चारे के साथ दें।
- **खुरपका-मुंहपका (FMD)** रोग से बचाव हेतु टीकाकरण करें।
- स्वच्छ और ताजे पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
- **आंधी, तेज हवा या बारिश** के दौरान जानवरों को शेड में रखें।

**बकरियाँ:**

- **ETV वैक्सीन** लगवाएं।
- **जुओं और कीटों** से बचाव के उपाय करें।
- ताजे और स्वच्छ पानी की व्यवस्था करें।
- खराब मौसम में बकरियों को शेड में रखें।

**मुर्गियाँ (पोल्ट्री):**

- बिछावन गीला हो जाए तो उसे पलटें और **चूना** डालें ताकि वह सूखा रहे।
- **खनिज मिश्रण और स्वच्छ पेयजल** दें ताकि मुर्गियाँ स्वस्थ बनी रहें।

**झाबुआ पहाड़ियाँ कृषि जलवायु क्षेत्र: एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, झाबुआ (झाबुआ, अलीराजपुर, धार)**

**सोयाबीन (बुवाई चरण):**

- JS-20-69, RVSM-1135, राज सोया-18, JS-20-98, RVS-24 जैसी उन्नत किस्मों का उपयोग करें।
- बीज को थायरम 2.0 ग्राम + कार्बेन्डाजिम 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करें, इसके बाद राइजोबियम और पीएसबी कल्चर @ 5.0 ग्राम/किग्रा बीज से उपचार करें।
- बीज दर 70-80 किग्रा/हेक्टेयर रखें और अंकुरण प्रतिशत 70% से अधिक होना चाहिए।
- 30-45 सेमी की पंक्ति-दर-पंक्ति दूरी रखें और रिज-फरो या BBF बीज ड्रिल पद्धति से बुवाई करें, जिससे सूखा या जलभराव दोनों में फसल का प्रबंधन अच्छा हो।

**मक्का (बुवाई चरण):**

- JVM 421, JM 218, JM 216, HQPM-1, HQPM-5 जैसी उपयुक्त किस्मों का उपयोग करें।
- बीज को थायरम 2.0 ग्राम + कार्बेन्डाजिम 1.0 ग्राम प्रति किग्रा से उपचारित करें, फिर एज़ोटोबैक्टर और पीएसबी कल्चर @ 5.0 ग्राम/किग्रा से उपचार करें।
- 60-75 सेमी कतार दूरी और 20-25 सेमी पौधों की दूरी रखें।

**कपास (बुवाई चरण):**

- DCH-32 और Bt II कॉटन जैसी उन्नत किस्मों का उपयोग करें।
- बीज को कार्बेन्डाजिम 2.0 ग्राम प्रति किग्रा बीज से उपचारित करें।
- 90-120 सेमी पंक्ति-दूरी और 90 सेमी पौधों के बीच दूरी रखें।

**उड़द (ब्लैक ग्राम – बुवाई चरण):**

- JU 86, PU-31, इंद्रा उरद-1, प्रताप-1 जैसी उपयुक्त किस्मों का चयन करें।
- बीज को थायरम 2.0 ग्राम + कार्बेन्डाजिम 1.0 ग्राम/किग्रा बीज से उपचारित करें, फिर राइजोबियम और पीएसबी @ 5.0 ग्राम/किग्रा बीज से उपचार करें।
- 30-45 सेमी पंक्ति-दूरी रखें और रिज-फरो विधि से बुवाई करें।

**अमरूद (फल बनने की अवस्था):**

- पुराने देसी बेर पौधों की 3-4 स्वस्थ शाखाओं पर उन्नत किस्म की कली से कली कलम करें।
- नये बाग लगाने के लिए पहले से खोदे गए गड्ढों को मिट्टी, रेत और FYM/वर्मीकम्पोस्ट से भरें।
- उन्नत फल पौध किस्मों का रोपण करें।

**सब्जियाँ (मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि – फल बनने की अवस्था):**

- आंधी व बारिश की चेतावनी को देखते हुए सिंचाई रोकें।
- अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु खेत में नालियां खोलें।

- टमाटर, मिर्च, बैंगन, भिंडी, शिमला मिर्च, कद्दूवर्गीय सब्जियों की समय पर तुड़ाई करें और बाजार में बेचें।
- सब्जियों की बुवाई/रोपाई के लिए खेत को रिज-फरो पद्धति से तैयार करें।
- टमाटर, पत्ता गोभी, फूलगोभी, भिंडी, मिर्च, बैंगन, शिमला मिर्च आदि वर्षा ऋतु सब्जियों की पौध रोपाई करें।

#### पशुपालन सलाह:

##### गाय, बकरी और मुर्गी पालन:

- धूल भरी आंधी, बिजली या गरज-चमक के दौरान पशु व मुर्गियों को अंदर सुरक्षित रखें और दरवाजे-खिड़कियाँ बंद करें।
- गाय, बकरी और नवजात पशुओं को कृमिनाशक दवा दें।
- ब्लैक क्वार्टर (BQ), एंथ्रैक्स, HS और FMD बीमारियों के लिए टीकाकरण करें।
- दुग्ध उत्पादन हेतु मक्का, ज्वार जैसी वर्षा ऋतु चारा फसलें बोएं।
- दूध देने वाले पशुओं को प्रतिदिन 10 किग्रा हरा चारा और 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें जिससे संतुलित आहार मिल सके।

#### बुंदेलखंड कृषि जलवायु क्षेत्र : एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, टीकमगढ़ (दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर)

**धान (रोपाई):** 20-25 दिन पुरानी पौध को निचली भूमि में रोपित करें। रोपाई से पहले पौधों की जड़ों को एज़ोटोबैक्टर कल्चर में 30 मिनट तक डुबोकर उपचारित करें।

**मिर्च एवं टमाटर:** पहले से लगाए गए खेतों में वायरल बीमारी देखी जा रही है। किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि फसलों का निरीक्षण करें, संक्रमित पौधों को उखाड़कर मिट्टी में गाड़ दें ताकि बीमारी का फैलाव न हो।

**प्याज नर्सरी:** आगामी 3 दिनों में मध्यम से भारी वर्षा और गरज-चमक की संभावना को देखते हुए, खरीफ प्याज की नर्सरी में जलभराव न होने दें और पौधों की सुरक्षा करें।

**कद्दूवर्गीय सब्जियाँ (फूल आने की अवस्था):** कीट और रोगों की निगरानी करें। पौधों को सहारा दें (चढ़ाई हेतु) ताकि फलों का संपर्क पानी से न हो और सड़न से बचाव हो सके।

**नया बाग लगाना:** फलदार पौधों को पहले से खुदे हुए गड्ढों में रोपित करें।

**गुलाब:** इस सप्ताह गुलाब की नर्सरी तैयार करें। एफ.वाई.एम (गोबर खाद), रेत और 4 इंच ऊपरी मिट्टी को मिलाकर 3x1 मीटर आकार और 6 इंच ऊँचाई के नर्सरी बेड तैयार करें।

**पान:** आगामी 3 दिनों में मध्यम वर्षा, गरज-चमक और उच्च आर्द्रता (70-80%) की संभावना है, जिससे फुट रॉट रोग का खतरा है। पत्तों के पास जलभराव न होने दें।

**आम, अमरूद, नींबू (कलम/ग्राफ्टिंग):** अगले 3 दिनों में 70-80% आर्द्रता की स्थिति देशी किस्मों की जगह उन्नत किस्मों की ग्राफ्टिंग के लिए अनुकूल है।

#### पशुपालन सलाह:

- पशुओं को बहुत अधिक हरी घास न खिलाएं, इससे अपच या अफारा हो सकता है।
- बकरियों को बारिश में भीगने से बचाएं और पी.पी.आर. (PPR) बीमारी से बचाव के लिए उनका टीकाकरण कराएं।
- गंदे बारिश के पानी या पोखरों का पानी पीने से पशुओं को रोके। इससे कीड़े और संक्रामक बीमारियाँ हो सकती हैं।
- पशुओं का हर 15-20 दिन में कृमिनाशक दवा द्वारा इलाज करें।

#### गिर्द कृषि जलवायु क्षेत्र : एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, मुरैना (मुरैना, भिंड, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, श्योपुर, अशोकनगर)

**बाजरा (बुवाई):** संभावित वर्षा को देखते हुए बुवाई न करें। उन्नत किस्मों के बीज तैयार रखें और केवल अनुकूल खेत की स्थिति में ही बुवाई करें।

**सोयाबीन (बुवाई):** खेत तैयार करें और अनुशंसित किस्मों (राज सोया-24, RVS-76 आदि) को बीज उपचार के बाद साफ मौसम में बोएं।

**धान (रोपाई):** तैयार नर्सरी की रोपाई करें और वर्षा की संभावना को ध्यान में रखते हुए खरपतवार नियंत्रण करें।

**टमाटर (फल बनने की अवस्था):** अनुकूल मौसम के कारण टमाटर की फसल में लीफ कर्ल रोग (पत्तियों का मुरझाना) होने की संभावना है। इसके नियंत्रण हेतु थायोमेथोक्सास 25 डब्ल्यू.जी. की 100 ग्राम मात्रा को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। छिड़काव साफ मौसम में करें।

**बैंगन (नर्सरी तैयारी):** बैंगन, टमाटर, मिर्च और फूलगोभी की नर्सरी तैयार करें एवं नर्सरी में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।

**मिर्च (फल बनने की अवस्था):** इस समय पत्तों के मुरझाने की बीमारी (चुरमुरा) की संभावना है; इसके नियंत्रण हेतु थायोमेथोक्सास 25 डब्ल्यू.जी. की 100 ग्राम मात्रा को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर साफ मौसम में छिड़काव करें।

**आम (रोपण):** आम, अमरूद, कटहल, नींबू आदि के पौधे लगाते समय पूर्व-रोपण उपचार करें जैसे नीमखली, वर्मी कम्पोस्ट और दीमक नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफॉस का उपयोग करें।

#### पशुपालन संबंधित सलाह:

- **भैंस:** मौसम परिवर्तन को देखते हुए **खुरपका-मुंहपका** रोग से बचाव के लिए टीकाकरण करें।
- **गाय:** संक्रमित चारा या अनाज न खिलाएं। पशुशाला की नियमित सफाई करें और फिनायल (5 मिली प्रति लीटर पानी) से फर्श पर छिड़काव करें।

#### पोल्टी संबंधित सलाह:

**मुर्गी:** गर्मी से बचाव हेतु पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था करें जिससे हवा का आवागमन बना रहे और मुर्गियाँ ठंडी व स्वच्छ जल मिल सकें।

#### विंधान पठारकृषि जलवायु क्षेत्र: एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, सिहोर (सागर, भोपाल, सिहोर, रायसेन, विदिशा, दमोह)

**सोयाबीन रोग प्रबंधन:** एन्थ्रैक्नोज, एरियल ब्लाइट और चारकोल रॉट के नियंत्रण हेतु फसल पर छिड़काव करें: टेबुकोनाजोल @ 625 मिली/हेक्टेयर या, टेबुकोनाजोल + सल्फर @ 1 किग्रा/हेक्टेयर या, हेक्साकोनाजोल @ 500 मिली/हेक्टेयर या पाइरोक्लोस्ट्रोबिन @ 500 ग्राम/हेक्टेयर

(सभी का छिड़काव 500 लीटर पानी/हेक्टेयर में घोलकर करें)

**कीट निगरानी:** कीट प्रकोप की प्रारंभिक पहचान एवं समेकित कीट प्रबंधन (IPM) हेतु लाइट ट्रैप या कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप लगाएं।

खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण एवं वायुसंचार: सभी खरीफ फसलों में अंतरकलात्मक कार्य (Intercultural Operations) करें जिससे खेत में वायुसंचार बढ़े और खरपतवार नियंत्रण हो।

**सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण:** 15-25 दिन की फसल अवस्था में छिड़काव करें: क्लिजालाफॉप-एथाइल या फिनोक्साप्रॉप-एथाइल @ 1 लीटर/हेक्टेयर या इमैजेथापायर @ 750 मिली/हेक्टेयर (छिड़काव फ्लैट-फैन नोज़ल से करें)

#### खरीफ सब्जियाँ

- अंतरकलात्मक कार्य और निराई-गुड़ाई करें।  
कुकुर्बिट वर्गीय फसलों को सहारा देने के लिए मंडप या जाल प्रणाली लगाएं।  
कीटनाशक या कवकनाशक का प्रयोग सही कीट या रोग की पहचान के बाद ही करें।
- दलहनी और कुकुरबिट फसलों में कीट चेतावनी
- बादली मौसम के कारण पॉड बोरर कॉम्प्लेक्स (जैसे पॉड फ्लाई, पॉड बग, प्लूम मॉथ) का प्रकोप मूँग, उड़द और कुकुरबिट फसलों में संभावित है।  
नियंत्रण के लिए:
  - प्रोफेनोफॉस 50 EC @ 1500 मिली/हेक्टेयर को 600-700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें या
  - मेथाइल पेराथियन 2% डस्ट @ 25 किग्रा/हेक्टेयर का भुरकाव करें।

#### बागवानी (फूल आने और रोपाई की अवस्था)

- नए बागों में स्वस्थ पौधों से रिक्त स्थान की पूर्ति (gap filling) करें।
- कीट और रोग नियंत्रण हेतु मैलेथियान 2 मि.ली. + मैकोजेब 3 ग्राम/लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- आम के मिली बग से सुरक्षा हेतु पेड़ों के तनों पर स्टिकी बैंड लगाएं और क्लोरपायरीफॉस 1.5% डस्ट @ 500 ग्राम/पौधा को मिट्टी में मिलाएं।
- हल्दी, अदरक और कचु (कंद) फसलों की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है।

#### पशुपालन सलाह

मौसम की स्थिति रोग प्रसार के लिए अनुकूल होने के कारण:

- गाय-भैंस में FMD (मुंह-खुर रोग) के लिए टीकाकरण करें।
- भेड़-बकरी में PPR रोग के लिए टीकाकरण करें।

#### मत्स्य पालन

जुलाई-अगस्त में मछलियों का प्रजनन काल होता है:

- इस अवधि में मछलियाँ न बेचें,
- नई मछली बीज डालें,
- अनावश्यक जीवों को तालाब से हटाएं।

#### पोल्टी पालन

टिक बुखार (Tick Fever) से पोल्टी श्रमिकों और पक्षियों को बचाने के लिए मैलेथियान @ 3 मि.ली./लीटर पानी में मिलाकर पोल्टी शेड में छिड़काव करें।

#### मालवा पठारकृषि जलवायु क्षेत्र : एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, इंदौर (उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, देवास, राजगढ़, नीमच)

**सोयाबीन (बुआई अवस्था):** किसानों को उचित बीज उपचार के बाद समय पर सोयाबीन की बुआई पूरी करने की सलाह दी जाती है। निचली भूमि में, उभरी हुई क्यारियों या रिज-फरो विधि से बुआई करना उचित है।

**ज्वार/सोरघम (सोरघम/बड़ी बाजरा):** किसानों को उचित बीज उपचार के बाद फसल की बुआई करनी चाहिए ताकि शूट फ्लाई की रोकथाम हो सके। जल्दी बोई गई फसल में शूट फ्लाई पर नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड @ 17.8 SL का पत्तियों पर छिड़काव करें।

#### पशुपालन सलाह:

**गाय:** पशु शेड को नियमित रूप से साफ करें और फर्श को 5 मि.ली. फिनाइल को 1 लीटर पानी में मिलाकर धोएं। वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए हेमरेजिक सेप्टीसीमिया और एंथ्रेक्स जैसी बीमारियों का खतरा है। पशु चिकित्सक की सलाह लेकर टीकाकरण कराएं।

- पशुओं को सुरक्षित, सूखे और शेड में रखें।
- पशुओं को पेड़ों के नीचे या बिजली के खंभों के पास न बांधें।
- पशुओं के लिए उचित आश्रय की व्यवस्था करें।
- उन्हें हर समय साफ और ठंडा पीने का पानी उपलब्ध कराएं।

#### निमाड़ घाटीकृषि जलवायु क्षेत्र: एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, खरगौन(खरगौन, बुरहानपुर, हरदा, खंडवा, बड़वानी)

**मिर्च (वृक्षीय):** चूसने वाले कीटों से निपटने के लिए संतुलित पोषण और उचित मिट्टी नमी सुनिश्चित करें। प्रति हेक्टेयर 25 पीले चिपचिपे ट्रैप लगाएं और खेत को खरपतवार मुक्त रखें। शुरुआती कीट संक्रमण पर नीम ऑयल (1500 पीपीएम) का घोल 5 मिली/लीटर पानी में छिड़कें। यदि आवश्यक हो तो सुबह/शाम में इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल @ 0.3 मिली या थायमेथोक्साम 25 डब्ल्यूजी @ 0.25 ग्राम प्रति लीटर का उपयोग करें।

**अरहर / काबुली चना (अंकुरण):** वर्षा पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, अरहर और अन्य खरीफ फसलों जैसे सोयाबीन, मक्का, और कपास के हाल ही में बोए गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें, ताकि जल जमाव न हो।

#### सोयाबीन (बुवाई/अंकुरण):

1. JS-2034, NRC-150 जैसी कम अवधि वाली किस्मों को प्राथमिकता दें।
2. खरपतवार नियंत्रण के लिए, 200 लीटर पानी में Propaquizafop 2.5% + Imazethapyr 3.75% का 800 मिली/एकड़ मिश्रण फ्लैटफैन नोज़ल का उपयोग करते हुए बोई के 15-20 दिन बाद छिड़काव करें।

**कपास (वृक्षीय):** जैसे ही मौसम साफ हो, और यदि अभी तक बुनियादी खाद का छिड़काव नहीं किया है, तो बोई के 30 दिन बाद प्रति एकड़ 20 किलोग्राम यूरिया, 30 किलोग्राम डीएपी, और 20 किलोग्राम पोटैश का खाद रिंग या कॉलम पद्धति का उपयोग करके लगाएं।



**पशुपालन सलाह:**

- पशुओं को बारिश से बचाव हेतु सुरक्षित आश्रय प्रदान करें।
- उन्हें स्वच्छ एवं ठंडा पीने का पानी उपलब्ध कराएं।
- टिक एवं जूं से बचाव के लिए मालाथियान / क्लीनर / ब्यूटॉक्स @ 2 मि.ली./लीटर पानी को मिलाकर पूरे शरीर पर लगाएं।
- दवा देने के बाद पशु के मुंह पर मुषिका (नकब) बांधें ताकि वह चारा न खा सके।

**क्यमोर पठार और सतपुड़ा हिल्सकृषि जलवायु क्षेत्र : एग्रोमेट फील्ड इकाइयाँ, जबलपुर (जबलपुर, सतना, पन्ना, सिवनी, रीवा, मैहर, मऊगंज, सीधी, कटनी, अनूपपुर, सिंगरौली, बालाघाट, उमरिया, मंडला, डिंडोरी, शहडोल)**

**सोयाबीन:**

- इस समय खेत में किसी भी प्रकार की खरपतवारनाशी या कीटनाशक का प्रयोग न करें।
- खेत में पानी इकट्ठा न होने दें; उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

**मक्का:**

- फिलहाल किसी भी प्रकार की खरपतवारनाशी या कीटनाशक का उपयोग न करें।
- वर्षा के कारण खेत में जमा पानी की निकासी सुनिश्चित करें।

**धान:**

- आगामी वर्षा को ध्यान में रखते हुए, खेत की मेड़ों को मजबूत करें ताकि अधिक मात्रा में पानी रोका जा सके।
- 20-21 दिन पुरानी रोपाई की गई पौध को तुरंत खेत में प्रतिरोपित करें।
- अगले कुछ दिनों में धान की रोपाई को प्राथमिकता दें।
- नर्सरी की नियमित निगरानी करें, विशेष रूप से ब्लास्ट और ब्राउन स्पॉट रोगों के लिए।

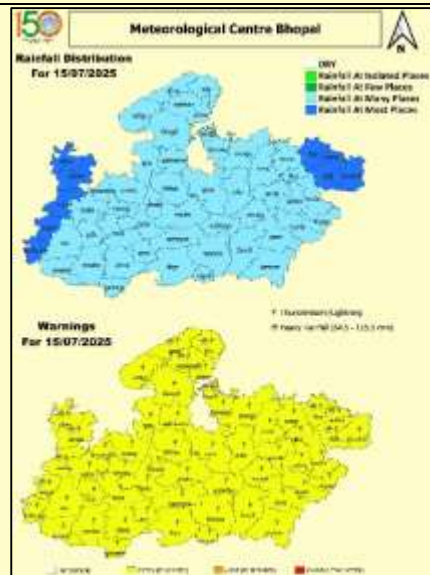
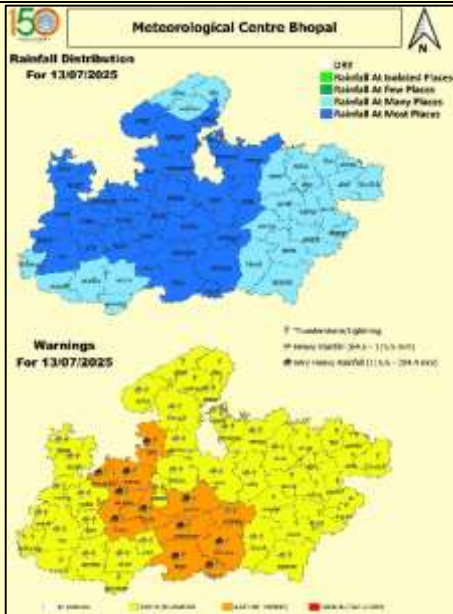
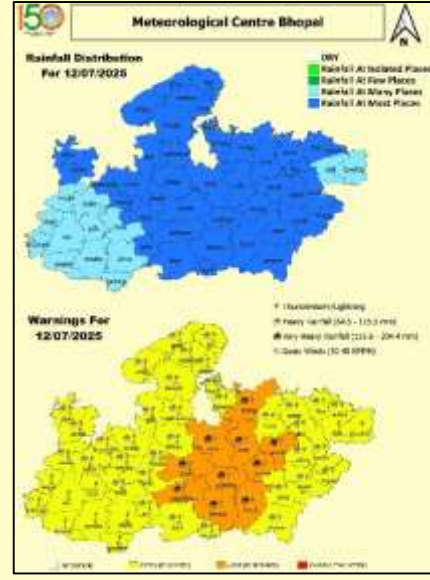
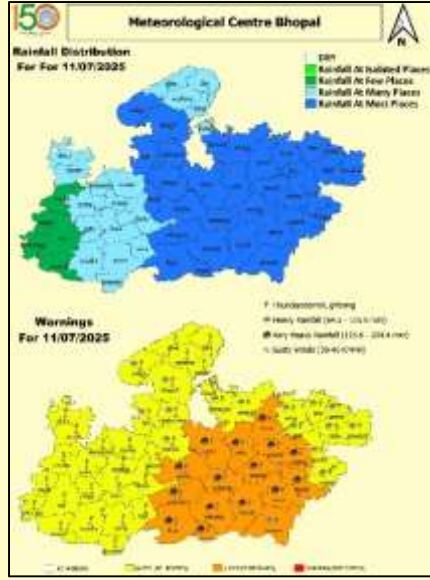
**भिंडी:**

- वर्षा ऋतु की सब्जियों की रोपाई मौसम साफ होने पर करें।
- यदि भिंडी की पत्तियों की नसें पीली हो रही हैं, तो संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें।
- चूसक कीटों के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड @ 5-7 मिली प्रति 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- जलभराव से बचाव हेतु खेत में उचित जल निकासी व्यवस्था करें।

**पशुपालन सलाह:****गार्ये:**

- पशुओं को छायादार स्थान में रखें।
- प्रतिदिन दो बार स्वच्छ और ताजा पानी पिलाएं।
- मच्छरों और अन्य कीड़ों से बचाव के लिए पशु शेड में धुआं करें।

मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा जिला स्तरीय मौसम चेतावनी जारी



संकेत /Legends

कहीं / कहीं वर्षा -RAINFALL AT ISOLATED PLACES	
कुछ स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT SCATTERED PLACES	
अनेक स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MANY PLACES	
अधिकांश स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MOST PLACES	
वज्रपात के साथ झंझावात /THUNDERSTORM WITH LIGHTNING	
झोंकेदार हवाएं / Gusty Winds	
भारी वर्षा (64.5 - 115.5 मी.मी.) /Heavy Rainfall (64.5 - 115.5mm)	
अतिभारी वर्षा (115.6 - 204.4 मी.मी.) /Very Heavy Rainfall (115.6 - 204.4mm)	
अत्यधिक भारी वर्षा (204.5 मी.मी. अधिक .मी.) / Extremely Heavy Rainfall (204.5mm and above)	



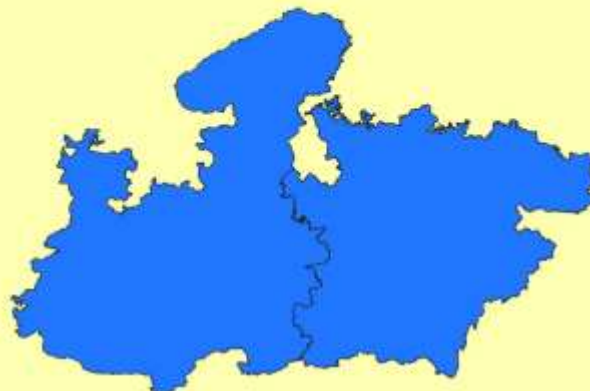
# Metorological Centre Bhopal



Subdivision Wise Rainfall Forecast Dated 11/07/2025



**Day 1**



**Day 2**



**Day 3**



**Day 4**



**Day 5**



## अगले 5 दिनों के लिए जिला पूर्वानुमान एवं चेतावनी

भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
मौसम केन्द्र  
भोपाल 462011



Government of India  
Ministry of Earth Sciences  
India Meteorological Department  
Meteorological Centre  
Bhopal 462011

**For Districts of Madhya Pradesh**  
**Warning / Intensity of Rainfall Forecast**

11-07-2025

Issue Time 12:00 Hrs IST

District/ Day		Date				
		11-Jul Fri	12-Jul Sat	13-Jul Sun	14-Jul Mon	15-Jul Tue
BHOPAL	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning
VIDISHA	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning
RAISEN	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Very Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Very Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Very Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning
SEHORE	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Many Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Very Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning
RAJGARH	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Many Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Very Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning
NARMADAPURAM	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning
MAIHAR	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning
PANDHURNA	Intensity:	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate	Light to Moderate
	Rainfall Distribution:	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Most Places	Rainfall at Many Places	Rainfall at Many Places
	Rainfall Probability:	Likely	Likely	Likely	Likely	Likely
	Warnings:	Very Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning, Gusty Winds (30-40 Kmph)	Very Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Heavy Rainfall, Thunderstorm and Lightning	Thunderstorm and Lightning

**Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day**

<b>Legends</b>		
<b>TS : Thunder Storm</b>		
<b>Distribution of Rainfall</b>		<b>हिन्दी</b>
(76 - 100)% of stations receives rainfall	(WS) Widespread / Most Places	विकसित / अधिकांश स्थानों पर / सभी
(51-75)% of stations receives rainfall	(FWS) Fairly Widespread / Many Places	अधिकांश विकसित / बहुत से स्थानों पर / बहुत सारे
(26-50)% of stations receives rainfall	(SCT) Scattered / A Few Places	खुदबखुद स्थानों पर / बिना
(1-25)% of stations receives rainfall	(ISOL) Isolated places	छाना कुछ स्थानों पर
No station reporting rain	(DRY) Dry	सूख
<b>Intensity of Rainfall</b>		<b>हिन्दी</b>
Very Light	0.1 to 2.4 mm	बहुत हल्की वर्षा
Light	2.5 - 15.5 mm	हल्की वर्षा
Moderate	15.6 - 64.4 mm	मध्यम वर्षा
Heavy	64.5 - 115.5 mm	भारी वर्षा
Very Heavy	115.6 - 204.4 mm	बहुत भारी वर्षा
Extremely Heavy	≥ 204.5 mm	अत्यधिक भारी वर्षा
Exceptionally Heavy	When the amount is a value near about the highest recorded rainfall at or near the station for the month or season. However, this term will be used only when the actual rainfall amount exceeds 12 cm	असामान्य भारी वर्षा
<b>Probability of Occurrence (%)</b>		<b>हिन्दी</b>
Unlikely	< 25	संभावना नहीं
Likely	25 - 50	संभावित
Very Likely	50 - 75	अधिक संभावना
Most Likely	> 75	अत्यधिक संभावना
<b>Warning Colour Codes</b>		<b>हिन्दी</b>
<b>WARNING (TAKE ACTION)</b>		चेतावनी
<b>ALERT (BE PREPARED)</b>		सतर्क रहें
<b>WATCH (BE UPDATED)</b>		निगरानी रखें
<b>NO WARNING (NO ACTION)</b>		कोई चेतावनी नहीं